Best Practice 1.

1. **Title of the Best Practice:**NurturingEnvironmental Consciousness through Eco Club

2. **Objectives:**

- To instil a sense of environmental responsibility among students and inspire them to become catalysts for environmental change.
- To provide comprehensive environmental education, elucidating the intricate issues it encompasses and the consequential impact of individual actions.
- To encourage sustainable practices within the college premises, setting a precedent for eco-friendly operations.
- To extend environmental awareness to the broader community through collaborative endeavours.

3. **Context:**

Recognizing the crucial role of Higher Education Institutions (HEIs) in spearheading sustainability initiatives, and the powerful impact of education in shaping environmentally-conscious future generations, the institution has established the Eco Club. In line with the institution's vision to nurture sustainable development, the Eco Club undertakes the mission to serve as an interactive platform that aims to boost ecological awareness and implement sustainable practices, thereby fostering an environment of conscious and responsible learning.

4. **Practice:**

- **Plantation Drives:** Planting initiatives conducted throughout the year have contributed to enhancing the campus's greenery.

- **Cleanliness Campaigns:** To foster a sense of environmental responsibility, students takea cleanliness pledge, and various campaigns are held to disseminate cleanliness messages. These campaigns are often coupled with engaging activities such as paintings and quizzes, and are given a broader reach through social media platforms like WhatsApp.

- **Educational Initiatives:** A robust line-up of technical sessions, expert lectures, and national webinars are organizedproviding students with a broad perspective on environmental issues.

- **Participation in Contests and Competitions:** The club facilitates student participation in competitions such as essay writing, poster making, and slogan writing on topics such as single-use plastic. These engagements provide a platform for students to express their understanding and commitment to environmental sustainability creatively.

- **Innovative Campaigns and Workshops:** The club pioneers several unique initiatives, such as the Vehicle-Free Campus Campaign, and workshops on creating eco-enzymes from kitchen waste and terrace gardening. These hands-on experiences enable students to comprehend the practicality and importance of sustainable living.

- **Awareness Weeks and Special Events:** Events like Nutrition Week and Wildlife Conservation Week, are organized, including online quizzes and contests, to highlight the importance of nutrition and wildlife conservation.Similarly, *'SwachchhataPakhwada'* and Cleanliness Week play crucial roles in promoting a clean and sustainable environment through cleanliness drives and quizzes.

- **Industrial Visits and Entrepreneurship Camp:** The club offers students practical exposure to sustainability practices through industrial visits and entrepreneurship awareness camps organized in collaboration with MPCON.

- Several other initiatives such as**Best out of Waste**,**rainwater harvesting**, **waste management,**installation of **solar panels**, and the use of **energy saving devices,** have also been undertaken by the club.

- **Energy Audit, Environment Audit and Green Audit** have been conducted.

5. Evidence of Success:

- An amplified awareness and interest in environmental conservation among students and faculty.
- A marked behavioural shift towards sustainable practices, such as decreased use of single-use plastics and increased use of recycling bins.
- The adoption of energy-saving habits within the institution.
- The successful plantation and nurturing of a multitude of trees, bolstering local biodiversity and facilitating carbon sequestration.

6. Resource Required /Problems Encountered

The Eco Club requires the support of volunteers, guest speakers, and environmental experts to facilitate its various initiatives and campaigns.

Despite the extensive requirements for resources and coordination, the Eco Club encountered no significant problems due to the immense passion and commitment of its members, coupled with the unwavering support from the institution.

ईको-क्लब प्रतिवेदन

सत्र 2022-2023

1. पौधारोपण अंकुर अभियान -

म.प्र.शासन का यह मेगा वृक्षारोपण अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को वृक्षारोपण के लिये प्रोत्साहित करना एवं वृक्षारोपण की भावना को जाग्रत करना है ताकि भविष्य में आने वाली प्राकृतिक आपदाओं को कम किया जा सकें। इसके साथ साथ हरियाली बढ़ाना एवं प्रकृति में आयो असंतुलन को रोकना है। अंकुर योजना के तहत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा भी माह जुलाई 2023 में वृक्षारोपण किया गया एवं वायूदूत एप के माध्यम से पंजीयन भी करवाया गया।

जुलाई माह में हरियाली महोत्सव (1-7 जुलाई) के अंतर्गत वृक्षारोपण

प्रथम चरण

अमरुद

अमरुद

अमरुद,

अंकुर योजना

अमरुद, एलोवेरा, तुलसी

जामून

आम

नींबू

नीम

जामुन

नीम

अंकुर योजना

जामुन

जामून

नारियल

शहतूत

नींबू

जामुन

2. हरियाली महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण (1 से 7 जुलाई 2022)

एक विद्यार्थी एक पौधा - 1 से 7 जुलाई 2022 तक हरियाली महोत्सव के अंतर्गत एक विद्यार्थी एक पौधा अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों ने अपने घर अथवा घर के आसपास फलदार/औषधीय वृक्ष प्रवृति के पौधेलगाये व उनके फोटोग्राफ/जीओटेग इकोक्लब ग्रुप में भेजे, जिससे अन्य विद्यार्थी भी प्ररेणा ले सके।

3. हरित वसुन्धरा पहल -

हरियाली अमावस्या 28.07.2022 को महाविद्यालय परिसर में हरित वसुन्धरा पहल के अंतर्गत इको-क्लब के माध्यम से 20 पौधों का पौधारोण कर योजना का शुभारम्भ किया गया। (पीपल-03, मीठीनीम-02, बरगद-02, नीम-03, आंवला-03, बबूल-03, गुलमोहर-01, गुडहल-01, अर्जुन-02)

4. जन्मदिन के अवसर पर पौधरोण -

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश तिवारी के नेतृत्व में इको क्लब के माध्यम से महाविद्यालय के कुछ प्राध्यापक व कर्मचारियों द्वारा अपने अपने जन्मदिन के शुभ अवसर पर पांच पौधे गमले सहित महाविद्यालय को भेंट किये गये।

01 जुलाई 2022	-	डॉ. सुखदेव डोंगरे
05 जुलाई 2022	-	डॉ. निहारिका भावसार
22 सितम्बर 2022	-	डॉ. विजेता चैबे
21 सितम्बर 2022	-	डॉ. ज्याति शर्मा
29 सितम्बर 2022	-	डॉ. अलका पांडे
15 दिसम्बर 2022	-	डॉ. अर्चना मेहता
30 जनवरी 2023	-	प्रो. श्रीमती अर्चना सोनारे
		डॉ. रामकुमार गौतम
		डॉ. रंजिता बरखानिया

WW45+C77, Ganj, Betul, Madhya Pradesh 460001, India
Latitude
21.90647514°
Longitude
77.90807804°
Local 04:39:24 PM
Altitude 588.42 meters
GMT 11:09:24 AM
Monday, 08.01.2022

OPPO Reno6 Pro 5G
2022/08/01 04:56 PM

WW44+HJW JH Government Post Graduate College, Ganj, Betul, Madhya Pradesh 460001, India
Latitude
21.90645142°
Longitude
77.90786523°
Local 04:33:13 PM
Altitude 585.98 meters
GMT 11:03:13 AM
Monday, 08.01.2022

Betul, Madhya Pradesh, India
WW44+HJW JH Government Post Graduate College, Ganj, Betul, Madhya Pradesh 460001, India
Lat 21.907403°
Long 77.905453°
05/07/22 01:21 PM
Google

WW44+HJW JH Government Post Graduate College, Ganj, Betul, Madhya Pradesh 460001, India
Latitude
21.90637146°
Longitude
77.90760389°
Local 04:27:29 PM
Altitude 597.43 meters
GMT 10:57:29 AM
Monday, 08.01.2022

GPS Map
WW44+HJW JH Government Post Graduate College, Ganj, Betul, Madhya Pradesh 460001, India
Latitude
21.906375°
Longitude
77.90762946°
Local 04:28:25 PM
Altitude 594.59 meters
GMT 10:58:25 AM
Monday, 08.01.2022

GPS Map Camera
Betul, Madhya Pradesh, India
WW44+HJW JH Government Post Graduate College, Ganj, Betul, Madhya Pradesh 460001, India
Lat 21.90654°
Long 77.907183°
09/04/22 05:28 PM
Google

OPPO Reno6 Pro 5G
2022/07/07 04:17 PM

OPPO Reno6 Pro 5G

5. पूर्वजों की याद में -

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश तिवारी के मार्गदर्शन में पितृपक्ष में अपने पूर्वजों की स्मृति को स्थाई रखने के लिये वृक्षारोपण का अभिनव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्य प्रो. जी.आर.राने, प्रो. अशोक दाभाड़े, डॉ. मीना डोनीवाल, डॉ. अलका पांडे, डॉ. अनिता सोनी, डॉ. आभा वर्मा, डॉ. अर्चना मेहता, ग्रंथपाल श्री विराजवर्धन पांडे, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार एवं कार्यालयील कर्मचारी श्री रिंकू पाटिल, विवेक पानकर, श्रेष्ठकांत गौर, अमित सिंह ठाकुर, लोकेश सोमगढ़े, श्रीमती मंजू काले, ज्योति भिलाला, नीतेश सूर्यवंशी, भूपेन्द्र वर्मा एवं शेख सुलेमान द्वारा छायादार वृक्षों का रोपण कर ट्री गार्ड प्रदान किये गये, ताकि आने वाली पीढ़ी को वृक्ष के रूप में उनका आर्शीवाद सदैव प्राप्त होता रहे।

2. स्वच्छता अभियान

इको-क्लब एवं पावर ग्रिड कारपोरेशन सेहरा बैतूल के संयुक्त तत्वाधान में 02 नवम्बर 2022 को " स्वच्छता ही उत्तम स्वास्थ्य का एकमात्र आधार है" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें पक्ष और विपक्ष के प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता विद्यार्थियों को पावर ग्रिड कार्पोरेशन के उपमहाप्रबंधक श्री रमेश तांडेकर द्वारा प्रोत्साहन हेतु उपहार प्रदान किये गये व इको क्लब द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। निर्णायक के रूप में डॉ. सलिल दुबे, प्राध्यापक भौतिकशास्त्र, डॉ. मौसमी राय, डॉ. नीरज धाकड़ उपस्थित थे।

वाद-विवाद पक्ष के विजेता

1 प्रथम -कु. मयूरी ठाकरे, एम.एस.सी प्रथम बाटनी

2. द्वितीय -कु. अंकिता पाल

3. तृतीय - कु. स्नेहा झारिया

वाद-विवाद विपक्ष के विजेता

1. प्रथम - कु.अंकिता पाल

2. द्वितीय -कु. खुशी दीक्षित

3. तृतीय - कु. कंचन बडोदे

3. बसंत पंचमी के अवसर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन

आजादी के अतृम महोत्सव में बसंत पंचमी एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के इको क्लब द्वारा पर्यावरण के प्रति सजगता बढाने हेतु विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) - पर्यावरण विभाग म.प्र.शासन भोपाल के सौजन्य सें प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को 26 जनवरी 2023 मुख्य अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष, श्री घनश्याम मदान, प्राचार्य, डॉ.राकेश तिवारी एवं पूर्व प्राध्यापक की उपस्थिति में प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

1. भाषण प्रतियोगिता -

दिनांक 23.01.2023 को "पर्यावरण की यही पुकार, करो प्लास्टिक का बहिष्कार" विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 09 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का संचालन प्रो. अर्चना सोनारे, सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र द्वारा किया गया। निर्णायक की भूमिका डॉ. अर्चना मेहता, डॉ. प्रगति डोंगरे व प्रो. संतोष पवांर द्वारा निभायी गयी। 26 जनवरी के अवसर पर निम्नलिखित विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये -

1. प्रथम-कु. पलक खातरकर, बी.एस.सी. तृतीय वर्ष बायोलाजी
2. द्वितीय - कु. निष्ठा राठौर, एम.एस.सी. प्रथम सेम बाटनी
3. तृतीय- कु. पूनम मालवी एम.ए. प्रथम सेम भूगोल
4. सांत्वना- कु. मयूरी ठाकरे एम.एस.सी. प्रथम सेम बाटनी
5. सांत्वना- तीर्थकर सेन बी.काम. द्वितीय वर्ष

2. निबंध लेखन प्रतियोगिता -

दिनांक 23.01.2023 को ''बसन्त उत्सव एवं पर्यावरण'' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका संचालन डॉ. स्वाति उपाध्याय अतिथि विद्वान वनस्पति शास्त्र द्वारा व निर्णय डॉ. मीना डोनिवाल, डॉ. युगल किशोर सरले एवं प्रो. मनोज घोरसे द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निम्नलिखित विजेता विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस समारोह में प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

1. प्रथम - कु. तेजस्वनी साहू, एम.एस.सी. प्रथम सेम बाटनी
2. द्वितीय - कु. आरती कापसे, बी.एस.सी. प्रथम वर्ष
3. तृतीय - कु. दिव्या ठानेकर बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
4. सांत्वना - कु. प्रियांशु देशमुख बी.ए. प्रथम वर्ष

2. पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता -

दिनांक 23.01.2023 को ''पर्यावरण संरक्षण'' विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका संचालन प्रो. सुनिता गढ़ेकर द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का निर्णय डॉ. रितु साहू, डॉ. प्रतिभा चैरे एवं प्रो. संजय विश्वकर्मा द्वारा किया गया। प्रतिभागियों की संख्या 13 थी, जिनमें से निम्नलिखित विजेता विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस समारोह में प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

1. प्रथम - कु. तेजस्वनी साहू, एम.एस.सी. प्रथम सेम बाटनी
2. द्वितीय - सीताराम धुर्वे एम.एस.सी. प्रथम सेम बाटनी
3. तृतीय - दुर्गेश बारंगे बी.एस.सी. प्रथम वर्ष बायोलाजी
4. सांत्वना - कु. नीलम मर्सकोले बी.एस.सी. प्रथम वर्ष बायोलाजी

4. रांगोली प्रतियोगिता -

दिनांक 25.01.2023 को ''प्रकृति सौन्दर्य-बसंत पंचमी'' विषय पर रांगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 10 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. अर्चना मिश्रा, सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का निर्णय डॉ. मीना डोनीवाल, डॉ.

पल्लवीय दुबे एवं डॉ. सोनाली सैनी द्वारा किया गया। निम्नलिखित विजेता विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस समारोह में प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

1.	प्रथम	-	कु. निकिता चैधरी	एम.एस.सी. प्रथम सेम बाटनी
2.	द्वितीय	-	कु. प्रीति वर्टी	बी.एस.सी. प्रथम वर्ष बायोलाजी
3.	द्वितीय	-	कु. दुर्गा ठाकरे	एम.एस.सी. प्रथम सेम बाटनी
4.	तृतीय	-	कु. पलक बाथरी	बी.सी.ए. प्रथम वर्ष
5.	सांत्वना	-	कु. शारदा इवने	एम.एस.सी. प्रथम सेम बाटनी

5. वेस्ट टू वण्डर -

दिनांक 25.01.2023 को अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी, सजावटी सामग्री बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसका संचालन डॉ. स्वाति उपाध्याय द्वारा किया गया, जिसमें 28 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की निर्णायक डॉ. विजेता चैबे, डॉ. अनिता सोनी एवं डॉ. पल्लवी दुबे थी। निम्नलिखित विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

1.	प्रथम	-	विवेक सूर्यवंशी	बी.एस.सी. तृतीय वर्ष बायोलाजी
2.	द्वितीय	-	कु. नीलम उइके	बी.एस.सी. तृतीय वर्ष बायोलाजी
3.	तृतीय	-	कु. कविता बाडबुदे	बी.एस.सी. तृतीय वर्ष बायोलाजी
4.	सांत्वना	-	कु. राधिका यादव	बी.एस.सी. तृतीय वर्ष बायोलाजी

4. **INTERNATIONL MILLETS YEAR 2023**

उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन के निर्देशानुसार इको क्लब एवं माइक्रोबायोलाजी विभाग द्वारा महिला बाल विकास विभाग बैतूल के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

(1) क्विज प्रतियोगिता - दिनांक 25 फरवरी, 2023 को माइक्रोबायोलाजी एवं इको क्लब के संयुक्त तत्वाधान में आनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका संचालन डॉ. महेन्द्र नांवगे अतिथि विद्वान माइक्रोबायोलाजी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में 121 विद्यार्थियों ने भाग लिया, 85 प्रतिशत के उपर अंक आने वाले विद्यार्थियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किये गये।

(2) निबंध लेखन प्रतियोगिता - दिनांक 25 फरवरी, 2023 को इको-क्लब एवं वनस्पतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में "मोटे अनाज मिलेट्स के बड़े फायदे" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का संचालन प्रो. सुनीता गढ़ेकर सहायक प्राध्यापक वनस्पतिशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। जिसमें 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में डॉ. मीना डोनीवाल, डॉ. पल्लवी दुबे एवं डॉ. प्रतिभा चैरे ने अपना सहयोग प्रदान किया। प्रतियोगिता के परिणाम निम्नानुसार रहे -

1. प्रथम - कु. नाजिया इस्त्रायल बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष बायोलाजी
2. द्वितीय - कु. विशाखा मानकर बी.एस.सी. प्रथम वर्ष बायोलाजी
3. तृतीय - शिवाजी अहाके बी.एस.सी. प्रथम वर्ष बायोलाजी

विजयी प्रतिभागियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

(3) व्याख्यान - दिनांक 27.02.2023 को मोटा अनाज पोषण के पावर हाउस विषय पर व्याख्यान का आयोजन माइक्रोबायोलाजी एवं इको क्लब किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. मुरली इंगले, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वति के समक्ष प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनिता सोनी एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। डॉ. इंगले ने अपने उद्बोधन में बतलाया कि हरित.क्रांति के बाद से मोटे अनाज के उत्पादन एवं दैनिक उपयोग में निरन्तर कमी आई है, और इनका स्थान गेंहूं, चावल ने ले लिया है, गेहूँ में उपस्थित ग्लूटेन की वजह से कई प्रकार की बीमारियों में भी वृद्धि हुई है। जबकि मोटे अनाज जैसे-बाजरा, ज्वार, कोदो, कुटकी, सांवा, रागी पोषक तत्वों से भरपूर है। अत: इन्हें अपने भोजन में शामिल करना चाहिये, मोटा अनाज किसान बहुत परिश्रम से उगाते है अत: उन्हें खरीदकर किसानों को भी बढ़ावा देना चाहिये। कार्यक्रम की संयोजक एवं इको क्लब प्रभारी डॉ. अलका पांडे ने बतलाया कि खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ने वर्ष 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय मोटा अनाज या पोषण अनाज वर्ष घोषित किया है। मोटे अनाज या मिलेट्स में विशेष पोषक गुण जैसे प्रोटीन, आहार, फाइबर तथा ऐंटीआक्सीडेंस पाये जाते है। प्रमुख मोटे अनाज में ज्वार, बाजरा और रागी शामिल है जबकि गौण मोटे अनाज मे कंगनी, कुटकी, बरिगा/पुनवी और सांवा शामिल है। अत: स्वस्थ्य जीवन के लिये इन मोटे अनाज का उपयोग करना आवश्यक है। कार्यक्रम में काफी संख्या में विद्यार्थी लगभग (200 छात्र.छात्राएं) एवं प्रोफेसर्स उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रीतिबाला पाल द्वारा किया गया। व्याख्यान के प्रतिभागियों के लिये रैपिड फायर दिया गया, जिसमें उपरोक्त व्याख्यान में समाहित 15 प्रश्न पूंछे गये व सही उत्तर देने वाली छात्राओं को पुरस्कार स्वरूप सेनिटरी पैकेट महिला बाल विकास विभाग द्वारा दिये गये।

(*4*)**. व्यंजन मेला**- मिलेट्स का उपयोग भोज्य पदार्थो के रूप मे किये जाने हेतु जागरूकता बढाने के उद्देश्य से २७.०२.२०२३ को माइक्रोबायोलाजी विभाग इको क्लब एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधन में मिलेट्स से निर्मित व्यंजन प्रतियोगिताएं तीन समूहों में आयोजित की

गई। पहले समूह में महाविद्यालय के प्रोफेसर्स दूसरे समूह में छात्राएं एवं तीसरे समूह में आंगनवाड़ी कार्यकताओं दवारा विभिन्न व आकर्षक व्यंजनों की पोषण प्रदर्शनी लगाई गई। तीनों समूहों द्यारा तैयार व्यंजनों पर महिला बाल विकास विभाग द्वारा पुरस्कार भी प्रदान किये गये।

समूह *01* - छात्राओं के समूह में शालिनी मालवीयMSc III Sem Micro को प्रथम पुरस्कार (बाजरा के बिस्किट) व माधुरी आर्य बी.एस.सी.द्वितीय वर्ष बायो (बाजरा के चीले) तृतीय पल्लवी इवने बी.एस.सी.प्रथम बायो (ज्वार की रोटी आलू भाजी मिर्च चटनी) व नर्मदा सलामे बी.एस.सी.तृतीय माइक्रोबायोलाजी (सांवा की खीर) को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

समूह 02 - प्राध्यापकों के समूह में डॉ.पल्लवी दुबे ने प्रथम (रागी के लड्डू) डॉ.अर्चना मिश्रा द्वितीय (सांवा खीर, कुटकी खिचड़ी) डॉ.मीना डोनीवाल तृतीय(बाजरा चकली) एवं डॉ. रामकुमार गौतम को सांत्वना पुरस्कार (बाजरे की रोटी, नूनिया साग पंजाबी) प्राप्त हुआ।

विजेता विद्यार्थियों को 15 अगस्त 2023 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

समूह 03 - 11 आंगनवाड़ी कार्यकताओं द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यंजन प्रतियोगिता में रखे गये कार्यकता के समूह में श्रीमती लक्ष्मी खवादे (बाजरे के लड्डू) श्रीमती रीना रावते (सांवा सूजी इडली) द्वितीय व शहनाज तृतीय (ज्वार नारियल चाकलेट लड्डू) स्थान पर रही इसके अतिरिक्त ज्ञानमाला देशमुख व रेखा राजूरकर द्वारा गर्भवती महिला की थाली व भारती पवांर, वंदना रावत द्वारा किशोरी बालिका की थाली का प्रदर्शन किया जिन्हें सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के अंत में महिला बाल विकास विभाग द्वारा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये व स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। प्रतियोगिताओं का संचालन डॉ. प्रीतिबाला पाल एवं प्रो. दीपिका साहू द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन महिला बाल विकास की प्रोजेक्ट आफीसर श्रीमती नीरजा शर्मा द्वारा किया गया।

5 हीमोग्लोबिन परीक्षण

दिनांक 27.02.2023 को महिला बाल विकास विभाग बैतूल, माइक्रोबायोलाजी विभाग एवं इको क्लब के संयुक्त तत्वाधान में छात्राओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण करवाया गया। हीमोग्लोबीन परीक्षण जिला अस्पताल बैतूल की नर्सिंग आफीसर श्रीमती कबिता खम्परिया एवं उनके सहयोगियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित 166 विद्यार्थी (162 छात्रा एवं 04 छात्र) के हीमोग्लोबीन का परीक्षण किया गया। मध्यम एनीमिया एवं गंभीर एनीमिया को समझाते हुये उसके प्रबंधन पर भी चर्चा की गयी।

6 उदिता प्रशिक्षण

*दिनांक 27.02.2023 को महिला बाल विकास विभाग बैतूल द्वारा महाविद्यालय में इको क्लब एवं माइक्रोबायोलाजी विभाग के माध्यम से उदिता योजना अंतर्गत "**माहवारी स्वच्छता एवं सुरक्षा प्रबंधन**" के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वति के पूजन एवं अतिथियों के स्वागत से किया गया। महिला बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक श्रीमती अर्चना तिवारी द्वारा कार्यक्रम का उद्देश्य बताया गया। डॉ. प्रतिभा रघुवंशी स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला अस्पताल बैतूल द्वारा माहवारी क्या है, क्यो होती है व इसकी शरीर व मन पर पढ़ने वाले प्रभावों पर विस्तृत में चर्चा की । डॉ. रघुवंशी ने बतलाया की किन-किन परिस्थितयों में उन्हें चिकित्सीय परामर्श लेना आवश्यक है जिससे आने वाले समय में उन्हें किसी गंभीर बीमारी का सामना न करना पड़े। छात्राओं ने भी माहवारी के दौरान आने वाली समस्याओं पर डॉ. रघुवंशी से प्रश्न पूंछकर समाधान प्राप्त किया।*

तदोपरान्त श्रीमती राधा (मेंटर नर्स) अंतरा फाउन्डेशन द्वारा माहवारी के दौरान सुरक्षा एवं स्वच्छता के विकल्प पर प्रबंधन हेतु विस्तार से चर्चा की गयी तथा ध्यान न देने की स्थिति में होने वाली खून की कमी से उत्पन्न एनीमिया की स्थिति पर छात्राओं से खुलकर चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित 166 विद्यार्थी (162 छात्रा एवं 04 छात्र) के हीमोग्लोबीन का परीक्षण किया गया। मध्यम एनीमिया एवं गंभीर एनीमिया को समझाते

हुये उसके प्रबंधन पर भी चर्चा की गयी। मोटे अनाज को प्रतिदिन के आहार में सम्मिलित करने की समझाइश भी दी गयी।

व्याख्यानों के पश्चात प्रतिभागियों के लिये रेपिड फायर किया गया। दोनो व्याख्यान(महावारी संबंधी एवं मिलेट्स संबंधी) में समाहित 15 प्रश्न किये गये। सही उत्तरदेने वाली छत्राओं को महिला बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी श्रीमती निरजा शर्मा द्वारा सेनेटरी पेड का पैकेट इनाम स्वरूप प्रदान किया गया।

विजेता का नाम –

1. आंचल बिलगेया
2. एकता रघुवंशी
3. शीतल चढोकार
4. शालिनी मालवीय
5. सबा कौशल
6. सलोनी बालवंशी
7. चांदनी साहू
8. ऋषिका कुबड़े
9. योगिता ढवंडे
10. पूनम चिल्हाटे
11. साक्षी परिहार
12. 12 नाजिया खान
13. पल्लवी पवांर
14. दीक्षा बोबड़े
15. आरती कापसे

PRINCIPAL
J. H. GOVT. P. G. COLLEGE
BETUL

प्राचार्य
(डॉ. विजेता चौबे)
ज.ह.शा.स्नातकोत्तर महावि. बैतूल

Workshop on Protection of Sparrow Species from Tower Radiation

मोबाईल टावर रेडियेशन से गौरेया की प्रजाति खतरे में

जे.एच.e न्यूज ▶▶ बैतूल

समय रहते इन विलुप्त होती प्रजाति पर ध्यान नहीं दिया गया तो वह दिन दूर नहीं जब गिद्धो की तरह गौरेया भी बमुश्किल नजर आएगी और यह सिर्फ गूगल और किताबों में ही दिखेंगी। विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम ने हमारे सामने कई चुनौतियां भी खड़ी की है। इसका असर इंसानी जीवन के अलावा पशु पक्षियों पर भी पड़ रहा है। मोबाईल टावर के रेडिएशन और बढ़ते प्रदूषण से कई प्रजाति के पक्षी और चिड़िया गायब हो रहे है। गौरेया पर रेडिएशन का असर पड़ा है।

जेएच कॉलेज के जीव विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. सुखदेव डोंगरे ने बताया कि विश्व गौरेया दिवस 20 मार्च को गौरेया के बारे में जागरूकता एवं उनके संरक्षण हेतु मकनाया जाता है, जो विलुप्ति की कगार पर है। हमारे घर के पिछवाड़े में घरेलू गौरेया आमतौर पर दिखती थी। हालांकि हमने हाल के वर्षों में प्रकृति और जैव विविधता के साथ संपर्क खो दिया है, शहर में घरेलू चिड़ियों को ढूंढना अधिक कठिन हो गया है। अब बेहद कम घरों में पक्षियों के लिए इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध होती है, जिससे की उसे दाना-पानी मिल जाए।

गौरेया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खास भूमिका भी है।

विश्व गौरेया दिवस का उद्देश्य गौरेया का संरक्षण करना और शहरी जैव विविधता के महत्व पर जोर देना है। बढ़ते प्रदूषण के प्रभाव से इसे बचाने की जरूरत है बदलते दौर और नई पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति लगाव बढ़ाना होगा।

पहली बार 2010 में मनाया दिवस

डॉ. सुखदेव डोंगरे ने बताया विश्व गौरेया दिवस पहली बार 2010 में मनाया था, जो इन चहकती छोटी चिड़ियों को बचाने के अभियान की शुरूआत को चिन्हित करता है। नेचर फॉर एवर सोसायटी द्वारा शुरू किया अभियान अब दूर-दूर तक संरक्षण वादियों द्वारा मनाया जाने लगा है। द नेचर फारएवर सोसायटी की स्थापना एक भारतीय संरक्षणवादी मोहम्मद दिलावर ने की थी जिन्होंने नासिक में घरेलू गौरेया की मदद के लिए अपना काम शुरू किया था

Program Name: World Environment Day
Program Date: 05/06/2023
Program Activities: Plantation in J.H. Govt. College and Plantation in Ramnagar Garg Colony Ganj, Betul

दैनिक ताप्ती दर्शन

पौधों की आरती और प्रसाद अभिनव पहल: हेमंत खंडेलवाल

मां शारदा सहायता समिति एवं नेशनल रेलवे मजदूर यूनियन ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया आयोजन

ताप्ती दर्शन, बैतूल

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को रामनगर महारानी लक्ष्मीबाई उद्यान में पर्यावरण संरक्षण को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद हेमंत खंडेलवाल, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी, स्वच्छता की ब्रांड एंबेसडर श्रीमती नेहा गर्ग, एसडीओपी सृष्टि भार्गव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला, ब्रह्मकुमारी से श्रीमती बीके मंजू, नेशनल मजदूर संघ के अशोक कटारे, रेडक्रास के प्रदेश प्रतिनिधि संजय शुक्ला, महेंद्र मालवीय, समाजसेवी शैलेन्द्र बिहारिया, अनंत तिवारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पौधों का पूजन कर सार्वजनिक रूप से पौधों की आरती गीत, संगीत के साथ की गई। पर्यावरण आरती में सबने झूमकर आरती को और भी सुंदर बना दिया, पेड़ पौधों की आरती के बाद पौधों का प्रसाद भी उपस्थित जन समूह को बांटा गया, सभी ने पेड़ पौधों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मैं भी बनूंगा पर्यावरण मित्र, करूंगा पर्यावरण की रक्षा फ्लेक्स पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। पेड़ों ने अपनी आत्मकथा चित्रों के माध्यम से कहानी के रूप में प्रदर्शित की।

65 संस्थाओं का हुआ सम्मान

इस अवसर पर पर्यावरण पर काम करने वाली 65 संस्थाओं को मंच से सम्मानित किया गया। उन्हें पर्यावरण प्रहरी सम्मान 2023 से अलंकृत किया गया। शैलेन्द्र बिहारिया ने सभी को पर्यावरण स्वच्छता व संरक्षण की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पूर्व सांसद हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि पौधों की आरती व पौधों का प्रसाद एक सराहनीय पहल है, प्रत्येक सार्वजनिक कार्यक्रम में पौधे भेंट करना अच्छी पहल है, हम सबको अच्छा काम करने वाले लोगों को सम्मानित करना चाहिए। आज पर्यावरण दिवस पर इतनी बड़ी संख्या में संस्थाओं का सम्मान किया गया यह अभिनव पहल है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी ने कहा कि जनसहयोग से बंजर जमीन को हरा भरा कर देना प्रेरणादायक कार्य है। रामनगर के लोगों का यह प्रयास पर्यावरण के लिये प्रेरणादायक है। स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर श्रीमती नेहा गर्ग ने कहा कि वेस्ट से बेस्ट को बनाकर भी हम पर्यावरण के क्षेत्र में बहुत कुछ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर बैतूल को स्वच्छता में नंबर वन बनाएंगे। कार्यक्रम में संजय सोलंकी, राकेश एनिया, दीप मालवीय, निमिष मालवीय, पिंकी भाटिया, कृष्णा चौधरी, तूलिका पचौरी, संतोष धर्नोलिया, सुनील टिकारे, प्रवीण परिहार, दीपाली पांडेय, रजक समाज, दिलखुश ग्रुप, मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र, राष्ट्रीय युवा योजना, राष्ट्रीय सेवा योजना, गायत्री परिवार, योग केंद्रित समिति, साईं समिति पटवारी कालोनी, राजपूत समाज, शिक्षक परिवार, नगरपालिका स्वच्छ भारत मिशन की टीम सहित 65 संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

Program Name: Energy Saving Day
Date:15/12/2023
Program Activity: Poster Making and Slogan Writing

नर्मदापुरम, शुक्रवार, 15 दिसंबर, 202

ऊर्जा संरक्षण पर प्रतियोगिता: निबंध प्रतियोगिता में दिव्या और पोस्टर मेकिंग में सपना रही प्रथम

बैतूल| ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर जेएच कॉलेज में ऊर्जा संरक्षण के प्रति जनजागरूकता के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में ऊर्जा संरक्षण से संबंधित विषयों, पर्यावरण परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीन एनर्जी एवं सोलर एनर्जी पर निबंध, भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताएं हुईं। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिव्या सोलंकी एवं द्वितीय स्थान योगिता गाड़गे ने प्राप्त किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में दिव्या सोलंकी ने प्रथम एवं पोस्टर मेकिंग में सपना इवनाते ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. एसडी डोंगरे ने ऊर्जा की आवश्यकता एवं संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. कमलेश अहिरवार ने कहा आने वाला समय सोलर ऊर्जा का होगा। कार्यक्रम में डॉ. बीड़ी नागले, डॉ. प्रतिभा चौरे, प्रोकिन वावरकर एवं डॉ. मनोहरराव गावंडे एवं कॉलेज के विद्यार्थियों ने भागीदारी की। अंत में प्रो. संजय कुमार विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त किया।